पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———————

राज्यपाल ने आज राजभवन में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यलाय, लखनऊ की नैक ग्रेडिंग हेतु तैयार सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की

गाँवों के कक्षा 12 के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय आने हेतु प्रेरित किया जाए

विश्वविद्यालय के पेड़ों में जीव टैगिंग की जाए

विश्वविद्यालय की विशेषताओं को रिर्पोट में प्रमुखता से दर्शाएं

नैक के उच्चतम ग्रेड हेतु तैयारी करें

—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

————————

लखनऊः 19 अप्रैल, 2023

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यलाय, लखनऊ की नैक ग्रेडिंग हेतु तैयार सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की।

विश्वविद्यालय पहली बार नैक हेतु अपनी रिपोर्ट दाखिल करने जा रहा है।

राज्यपाल जी ने रिपोर्ट में सभी सातों क्राइटेरिया पर बिंदुवार समीक्षा करते हुए व्यापक सुधार के निर्देश दिए। क्राइटेरिया 1 में क्यूरीकुलम डिजाइन एण्ड डेवलेपमेंट पर तैयार प्रस्तुतिकरण की राज्यपाल जी ने सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने इस क्राइटेरिया रिपोर्ट के हाइपर लिंक में गतिविधि दर्शाने वाले फोटो लगाने का सुझाव दिया। क्राइटेरिया 2 में टीचिंग, लर्निंग एण्ड इवैलुएशन पर चर्चा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय ऐसे गाँवों से सम्पर्क करें जहाँ कक्षा 12 तक के विद्यार्थी हों। उन्होंने कहा कि इन गांवों में इन विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय में आने हेतु प्रेरित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कक्षा–12 के विद्यार्थियों को भी बुलाया जाए, जिससे उनमें विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने का आकर्षण उत्पन्न हों सके।

समीक्षा के दौरान राज्यपाल जी ने प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय की विशेषताओं को प्रमुखता से दर्शाने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा ग्रीन कैम्पस निर्माण की प्रक्रिया में लगाए गए पेड़ों पर जियो हैगिंग कराने को भी कहा। उन्होंने वृक्षों के अनुरक्षण में विद्यार्थियों को जोड़ने को कहा। रिपोर्ट में लगाए

गए विवरणों की समीक्षा करते हुए राज्यपाल जी ने इसे सुन्दर भाषा संयोजन के साथ बेहतर करने का निर्देश दिया।

गौरतलब है कि प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आंनदीबेन पटेल जी द्वारा प्रदेश के विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता परक सुधार के लिए नैक ग्रेडिंग कराने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नैक ग्रेडिंग के सात क्राइटेरिया में बिंदुवार अंक गणनाओं के तहत शैक्षिक, विश्वविद्यालय, परिसर की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं के साथ–साथ सामाजिक स्तर पर जनहित से जुड़े कार्य भी शामिल हैं। राज्यपाल जी की प्रेरणा से विश्वविद्यालयों द्वारा गाँव गोद लेकर तथा विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के बाहर भी जनहितकारी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

इसी क्रम में आज की समीक्षा के दौरान राज्यपाल जी ने गाँवों में विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थय कार्यों, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर सामग्री वितरण कर सुविधा सम्पन्न बनाने, टी0बी0 के मरीजों को पोषण एवं चिकित्सा सहायता हेतु गोद लेने, 6 वर्ष तक के बालक–बालिकाओं को शत्–प्रतिशत् स्कूल में भर्ती कराने, सुरक्षित मातृत्व हेतु संस्थागत प्रसव करवाने के लिए गाँवों तथा पिछड़ी बस्तियों में किए गए कार्यों का फोटो युक्त विवरण रिपोर्ट में लगाने को कहा। उन्होंने टीम के सभी सदस्यों को नैक के उच्चतम ग्रेड हेतु तैयारी करने को प्रेरित किया।

बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एन0बी0 सिंह, टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———

डॉ0 सीमा गुप्ता
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361